

पाताल पुं. (तत्.) 1. पुराणानुसार पृथ्वी के नीचे के सात लोकों में से अंतिम लोक 2. गुफा, विवर, छिद्र 3. पारा आदि शोधने का एक यंत्र 4. गड्ढा 5. बड़वानल 6. कुंडली में लग्न स्थान से चौथा स्थान।

पाताल खंड पुं. (तत्.) पाताल लोक।

पातालौका वि. (तत्.) पातालौका 1. वह, जिसका घर पाताल में हो पुं. 1. शेष नाग 2. बलि 3. दैत्य, दानव।

पाति स्त्री. (तद्.) 1. पत्नी, पण, दल 2. चिट्ठी, पत्रिका, पत्र पुं. (तत्.) 1. प्रभु, मालिक, स्वामी 2. स्वामी, पति 3. पक्षी, चिड़िया।

पातिक पुं. (तत्.) सूँस नामक जल जंतु, शिशुमार वि. फेंका हुआ, नीचे गिराया हुआ।

पातिकी स्त्री. (तत्.) एक विशेष वर्ग की स्त्री 2. पाश, जाल, फंदा, पक्षी या हिरन आदि फँसाने का।

पातित वि. (तत्.) 1. जो फेंका गया हो 2. जो नीचे गिराया या धकेला गया हो।

पातित्य पुं. (तत्.) 1. पतित होने या गिरने का भाव, गिरावट 2. अधःपतन, नीच या कुमार्गी होने का भाव 3. जातिच्युति अथवा पदच्युति।

पातिव्रत पुं. (तत्.) पतिव्रता होने का भाव।

पाती स्त्री. (तद्.) 1. चिट्ठी, पत्र 2. पत्नी, वृक्ष का पत्ता वि. (तत्.) 1. गिरने वाला दै. गर्भपाती 2. पतनशील, गिरने वाला 3. प्रतिष्ठा, सम्मान, इज्जत, लोकलज्जा।

पातुक पुं. (तत्.) 1. प्रपात, झरना 2. सूँस, शिशुमार, जलहाथी 3. पहाड़ की ढाल (ढरकन) वि. 1. पतनशील 2. नरक में जाने वाला, नरकगामी 3. जातिच्युत, बहिष्कृत।

पातुर स्त्री. (तद्.) वेश्या, रंडी।

पात्त पुं. (तद्.) 1. पापियों का उद्धार करने वाला।

पात्य वि. (तत्.) 1. पातनीय, गिरने योग्य 2. प्रहार करके गिराने योग्य 3. दंड आदि के योग्य।

पात्र पुं. (तत्.) 1. कुछ रखने अथवा खाने-पीने के उपयोग में आने वाला आधार, बरतन, भाजन 2. किसी विषय का अधिकारी व्यक्ति 3. किसी वस्तु को पाकर उसका उपभोग करने वाला व्यक्ति 4. नाटक आदि का अभिनेता, नट 5. किसी उपन्यास आदि में वर्णित नायक, नायिका 6. यज्ञ के उपकरण।

पात्रक पुं. (तत्.) 1. थाली, हाँडी आदि पात्र 2. छोटा बरतन, लघु पात्र 3. भीख माँगने का पात्र।

पात्रतांग पुं. (तत्.) प्राचीन काल का ताल देने का एक प्रकार का बाजा।

पात्रता स्त्री. (तत्.) पात्र होने का भाव, अधिकार, योग्यता, लियाकत।

पात्रपाल पुं. (तत्.) पतवार, चप्पू।

पात्रवर्ग पुं. (तत्.) अभिनय करने वाले लोगों का दल या समूह, नाट्यमंडली।

पात्रशुद्धि स्त्री. (तत्.) बरतनों की स्वच्छता या शुद्धीकरण।

पात्रशेष पुं. (तत्.) जूठन, उच्छिष्ट।

पात्रासादन पुं. (तत्.) यज्ञ पात्रों को क्रमानुसार उचित स्थान पर रखना।

पात्रिक पुं. (तत्.) 1. छोटा बरतन या कटोरा आदि वि. (तत्.) किसी पात्र से नापा गया हो 2. आढ़क से तौला या मापा हुआ 3. उपप्रक्रिया, योग्य।

पात्रिका स्त्री. (तत्.) 1. छोटे बरतन 2. थाली, कटोरा आदि।

पात्रिय वि. (तत्.) 1. जिसके साथ एक थाली या पात्र में भोजन किया जा सके, गहरा मित्र।

पात्री वि. (तत्.) 1. पात्र वाला अर्थात् जिसके पास बरतन हो 2. जिसके पास सुयोग्य मनुष्य हों स्त्री. (तत्.) 1. छोटे-छोटे बरतन, एक छोटी भट्ठी जिसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक उठाकर ले जा सकते हो 3. दुर्गा का एक नाम (रक्षा करने वाली)।

पात्रीण वि. (तत्.) पात्र से नापकर बोया या पकाया हुआ।